टूटता परिवार

एक नज़र तलाक पर

पैट

हिंदी: विदूषक

टूटता परिवार

एक नज़र तलाक पर

पैट, हिंदी: विदूषक

तुम्हारे परिवार में अभी जो हो रहा है,
उसे तलाक कहते हैं. पूरा परिवार उससे जूझ रहा है.

तलाक तब होता है जब कोई
शादीशुदा दंपत्ति एक-साथ नहीं
रहना चाहता है और अलग-अलग
रहने का निश्चय लेता है.

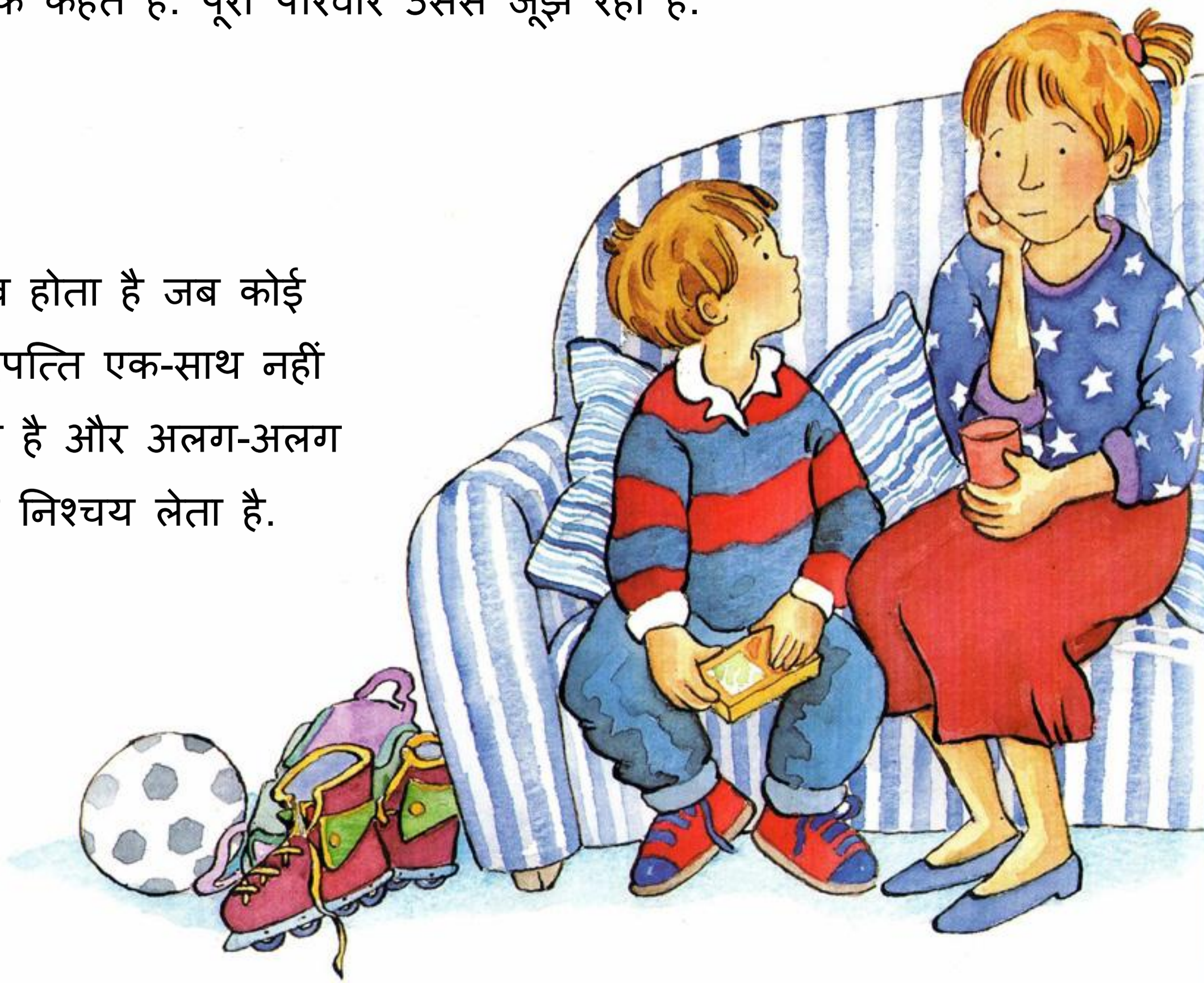

अगर तुम्हारे माता-पिता एक-दूसरे को तलाक देते हैं तो उसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है. वैसे तुम्हें गलती का आभास हो सकता है.

अगर इसमें किसी की गलती है तो वो तुम्हारे माता-पिता की है. उनकी गलती पर तुम्हें दुःख हो सकता है और गुस्सा भी आ सकता है.

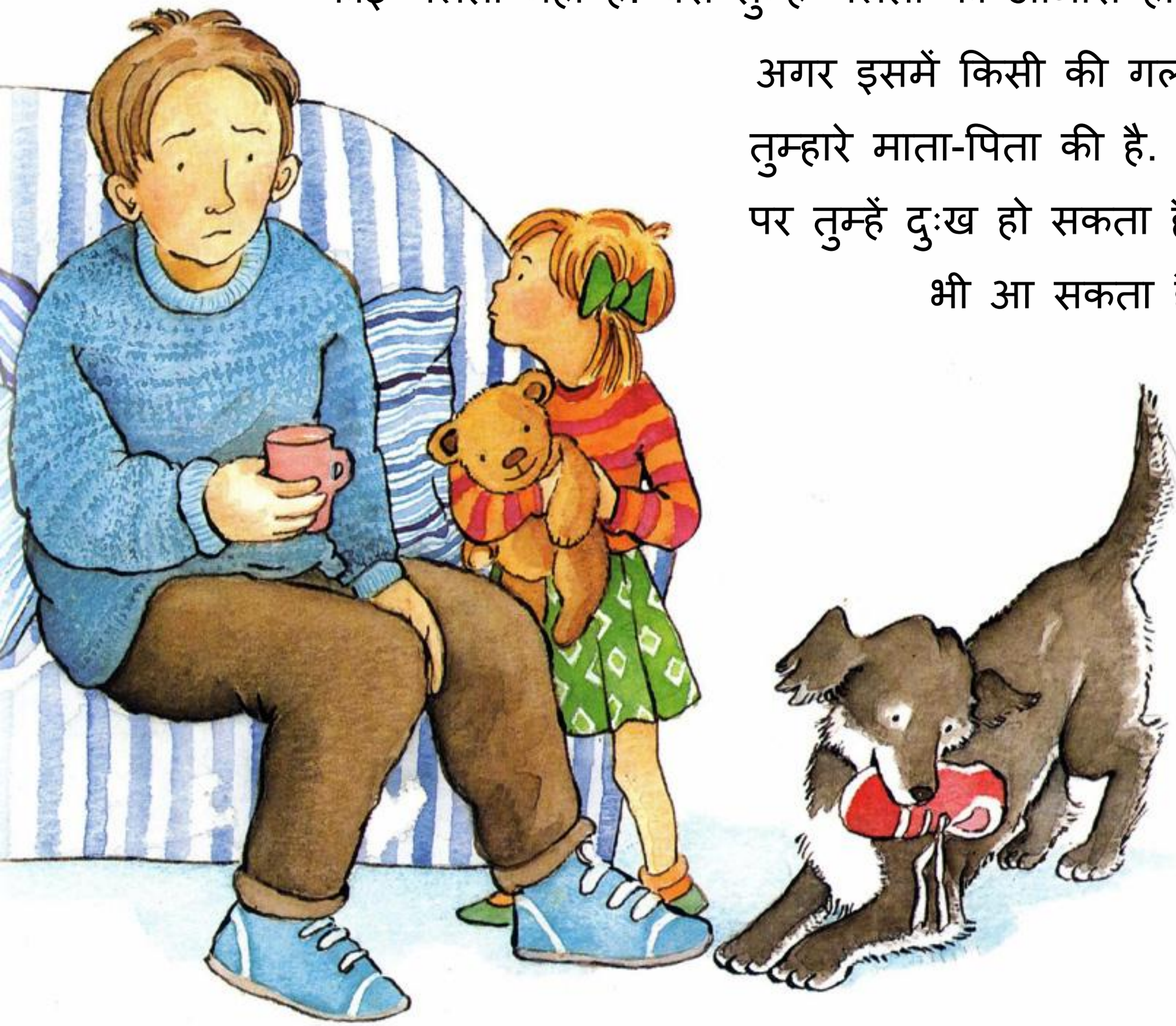

जब तुम्हारे माता-पिता पहली बार मिले
तो वे एक-दूसरे को बहुत प्यार करते थे.
वो एक-दूसरे से इतना प्रेम करते थे कि उन्होंने
साथ मिलकर एक बच्चे को जन्म दिया.

और वो बच्चा तुम थे!

तुम्हारे माता-पिता ने सोचा कि वे
एक-दूसरे से हमेशा प्रेम करते रहेंगे और
हमेशा साथ-साथ रहेंगे. पर धीरे-धीरे वे
एक-दूसरे से अलग और दूर होते चले गए.

माता-पिता का एक-दूसरे के प्रति व्यवहार भी बदला. तुमने देखा कि उनके बीच असहमतियां बढ़ी, वे एक-दूसरे पर ज्यादा गुस्सा होने लगे, लड़ने लगे. कभी-कभी वे एक-दूसरे से बिल्कुल बात भी नहीं करते थे.

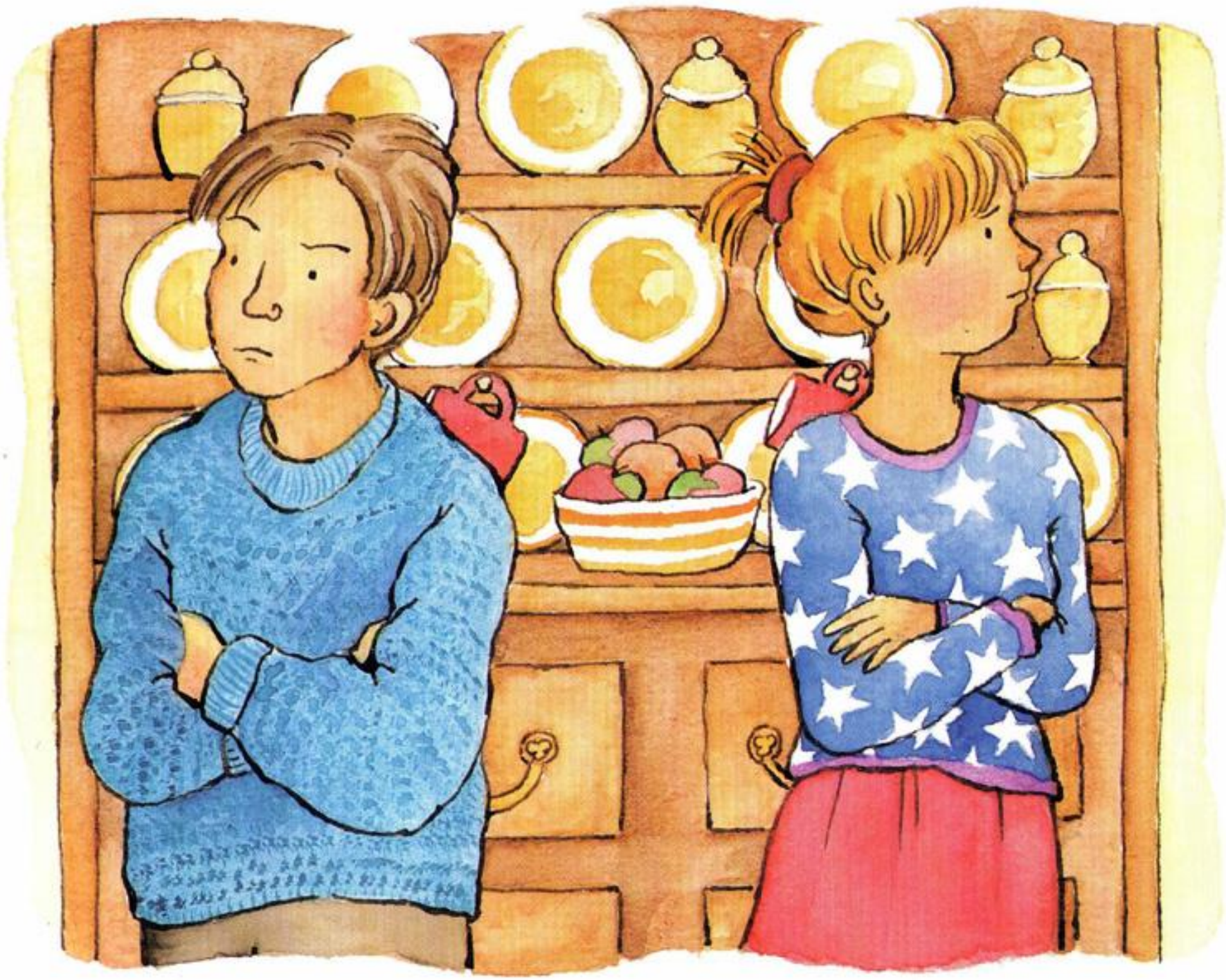

जब दो लोग एक-दूसरे से बहुत नाखुश होते हैं
तब वे अक्सर ऐसा करते हैं.

जब दो शादीशुदा लोग एक-दूसरे से इतने नाखुश होते हैं तब
वे तलाक देकर एक-दूसरे से अलग-अलग रह सकते हैं.

तुम क्या सोचते हो?

जब परिवार में इस तरह के बदलाव होते हैं तब बच्चे दुखी, डरे और गुस्से से परेशान होते हैं. तुम्हें क्या लगता है?

तलाक, पूरे परिवार के लिए बेहद चिंता
और परेशानी का अवसर होता है.
इसलिए बहुत से माता-पिता, एक-दूसरे के
साथ रहने की बहुत कोशिश करते हैं.
असंभव होने पर ही वे तलाक देते हैं.

तुम फ़िक्र करते होगे कि जब
माता-पिता एक-दूसरे को प्यार
नहीं करेंगे, फिर वे तुमसे भी
प्रेम करना बंद कर देंगे.
पर ऐसा कभी नहीं होगा.

तुम चाहोगे कि तुम्हारे माता-पिता कुछ समय बाद
दुबारा साथ रहने लगें. पर अक्सर ऐसा नहीं होगा.
ज़्यादातर तलाक, स्थाई और हमेशा के लिए होते हैं.

तलाक देने से पहले माता-पिता साथ मिलकर कुछ अहम निर्णय लेते हैं जैसे – तलाक के बाद वे खुद कहाँ रहेंगे और उनके बच्चे कहाँ रहेंगे. तलाक के बाद तुम अपने माता-पिता दोनों के साथ समय गुज़ार सकोगे.

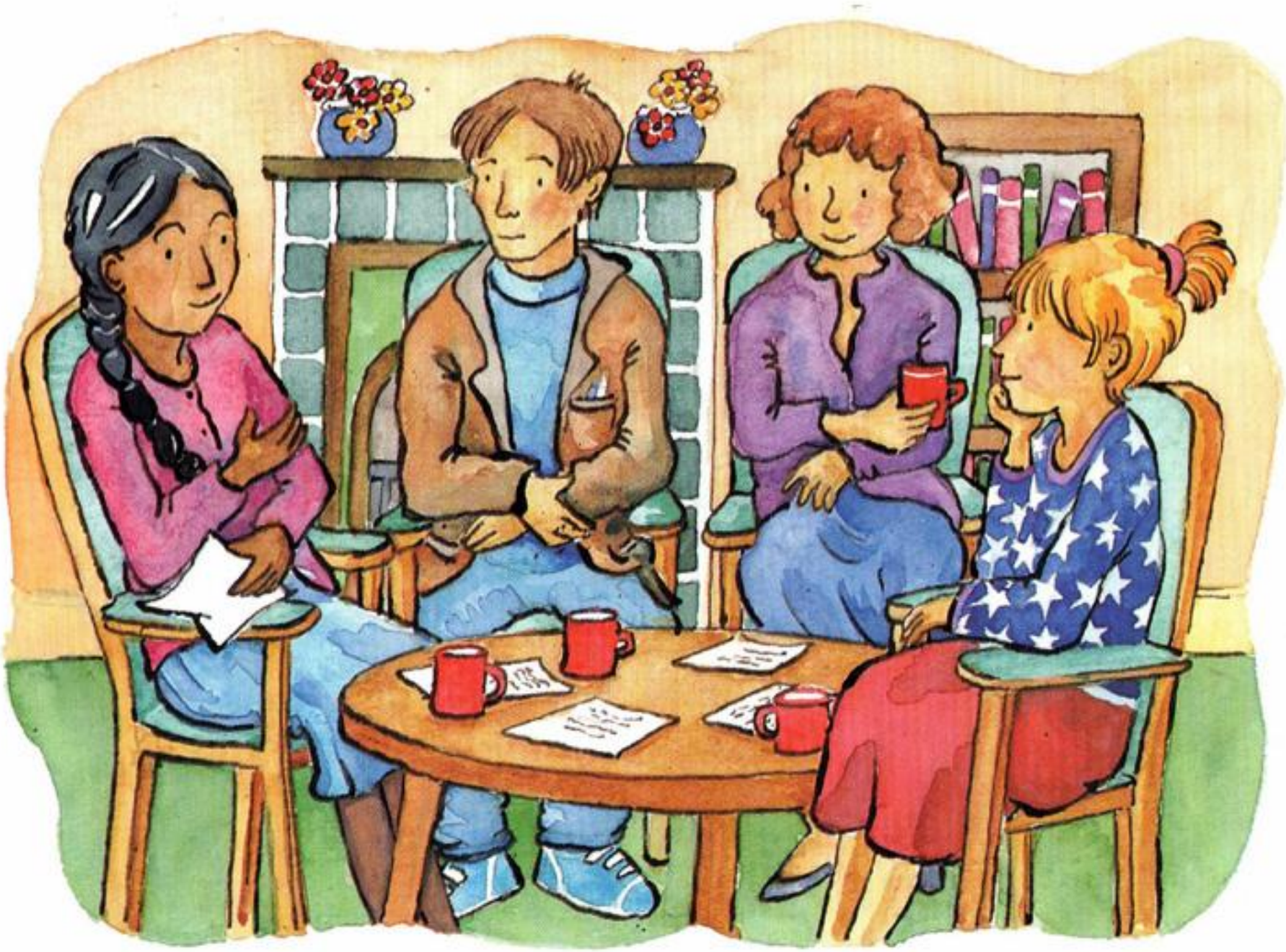

जब माता-पिता तलाक का निर्णय खुद नहीं ले पाते हैं तब वकील और जज उनके लिए यह निर्णय लेते हैं. कभी-कभी अंतिम निर्णय लेने में बहुत समय लग जाता है.

जिस पालक (माता-पिता) के साथ तुम नहीं रह रहे होगे शायद तुम्हें उसकी बहुत याद आए. तुम शायद जानना चाहो कि वो क्या कर रहा है और तुम उससे मिलने कब जा सकते हो.

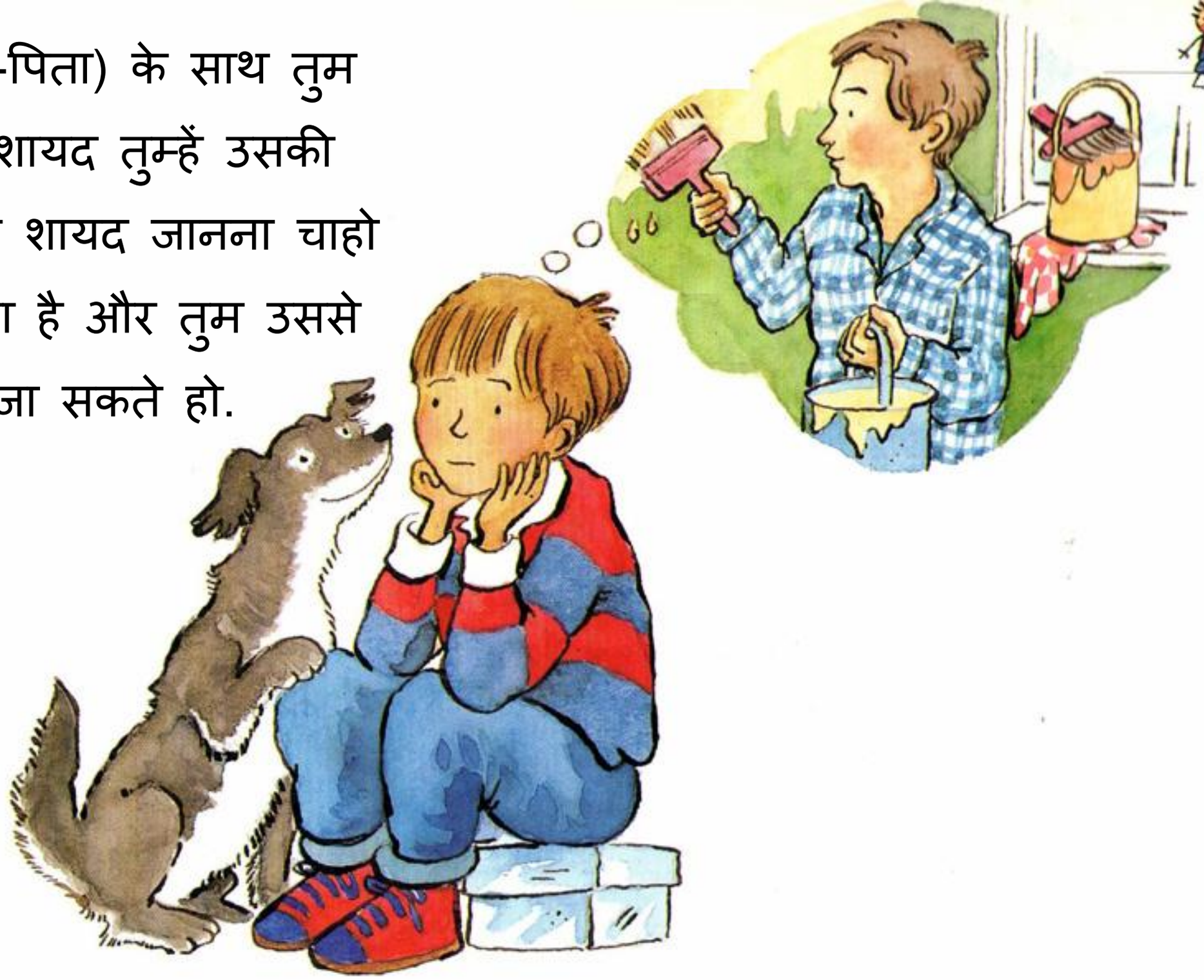

तुम क्या सोचते हो?

कभी-कभी सवाल पूछने से चिंता कम होती है. जिस पालक के साथ तुम नहीं हो उसके बारे में तुम क्या प्रश्न पूछना चाहोगे?

कुछ बच्चे शनिवार-रविवार या छुट्टियों में, दूसरे पालक के पास जाते हैं. कुछ बच्चे आधा समय एक पालक और आधा समय दूसरे पालक के साथ गुजारते हैं.

कभी-कभी दूसरा पालक बहुत दूर रहता है, तब बच्चे उससे ईमेल, फोन या पत्र लिखकर सम्बन्ध कायम रखते हैं.

बच्चों को शुरू में ऐसा करना बहुत अजीब लगता है. एक पालक से दूर रहने और नई व्यवस्था से अभ्यस्त होने में उन्हें कुछ समय ज़रूर लगता है.

दूर रहने के से तुम्हें अपने पालक कुछ अलग लग सकते हैं.
कभी वो पहले से खुश होंगे और कभी पहले से दुखी.
उनमें कुछ नई रुचियाँ भी विकसित हो सकती हैं. तुम्हें यह भी लगेगा कि
जिस पालक के साथ तुम रह रहे हो वो अब पहले से कहीं ज्यादा व्यस्त है.
इसका सही कारण भी है.

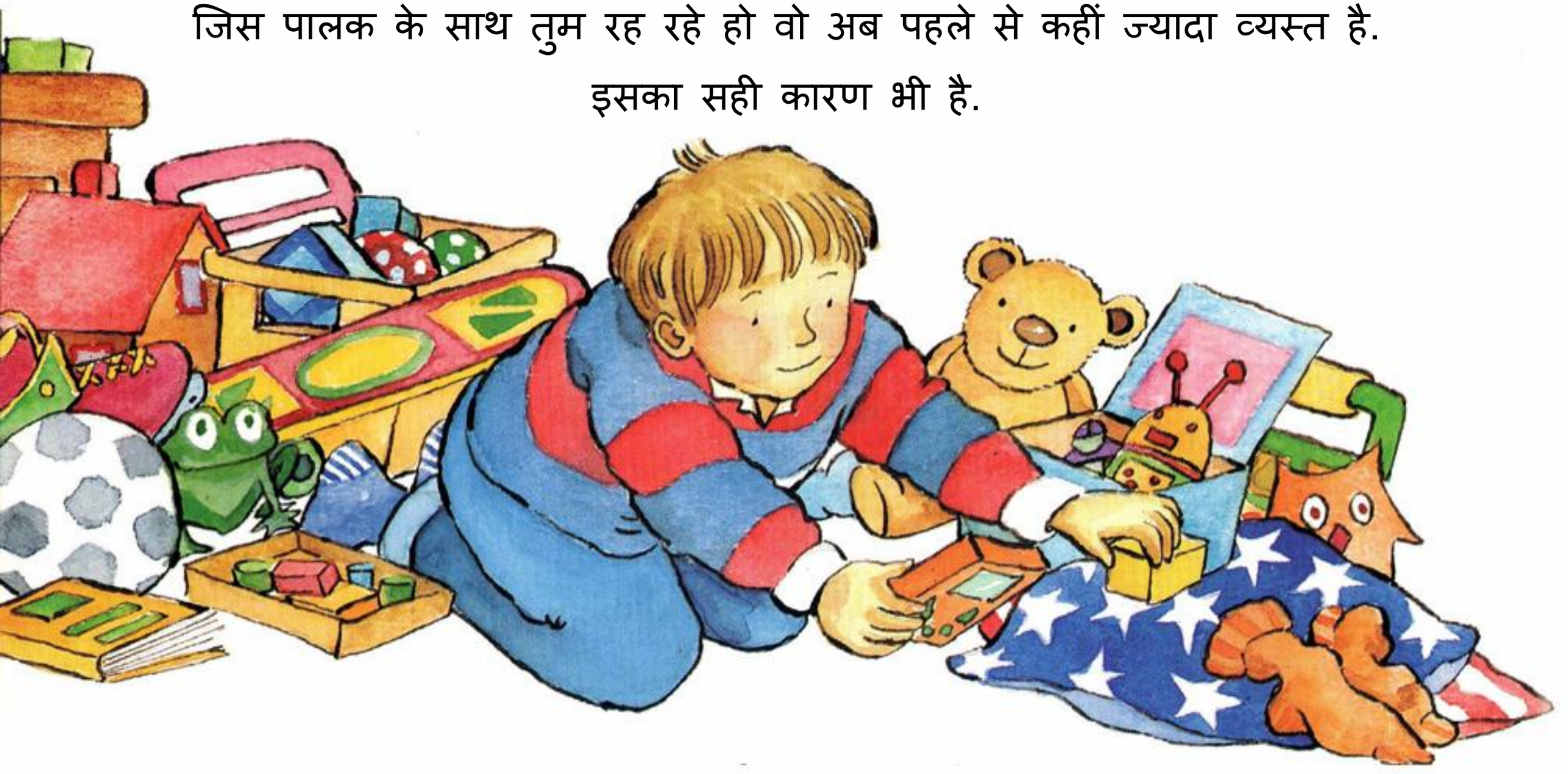

क्योंकि जो काम पहले दो लोग करते थे अब उसे अकेला व्यक्ति करेगा.
तुम कपड़े सुखाने, खिलौने ठीक स्थान पर रखने आदि में मदद कर सकते हो. जिसे तुम्हारी
ज्यादा ज़रुरत है तुम उस पालक के साथ रहने की अपनी इच्छा भी व्यक्त कर सकते हो.

कभी तुम्हें बहुत अकेला लगेगा. माता-पिता अपने बच्चों को दुखी करने के लिए कभी तलाक नहीं देते हैं. उनके अलग होने से तुम्हारा दिल दुखेगा. तुम्हारी भावनाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए उन्हें अपने माता-पिता को ज़रूर बताओ.

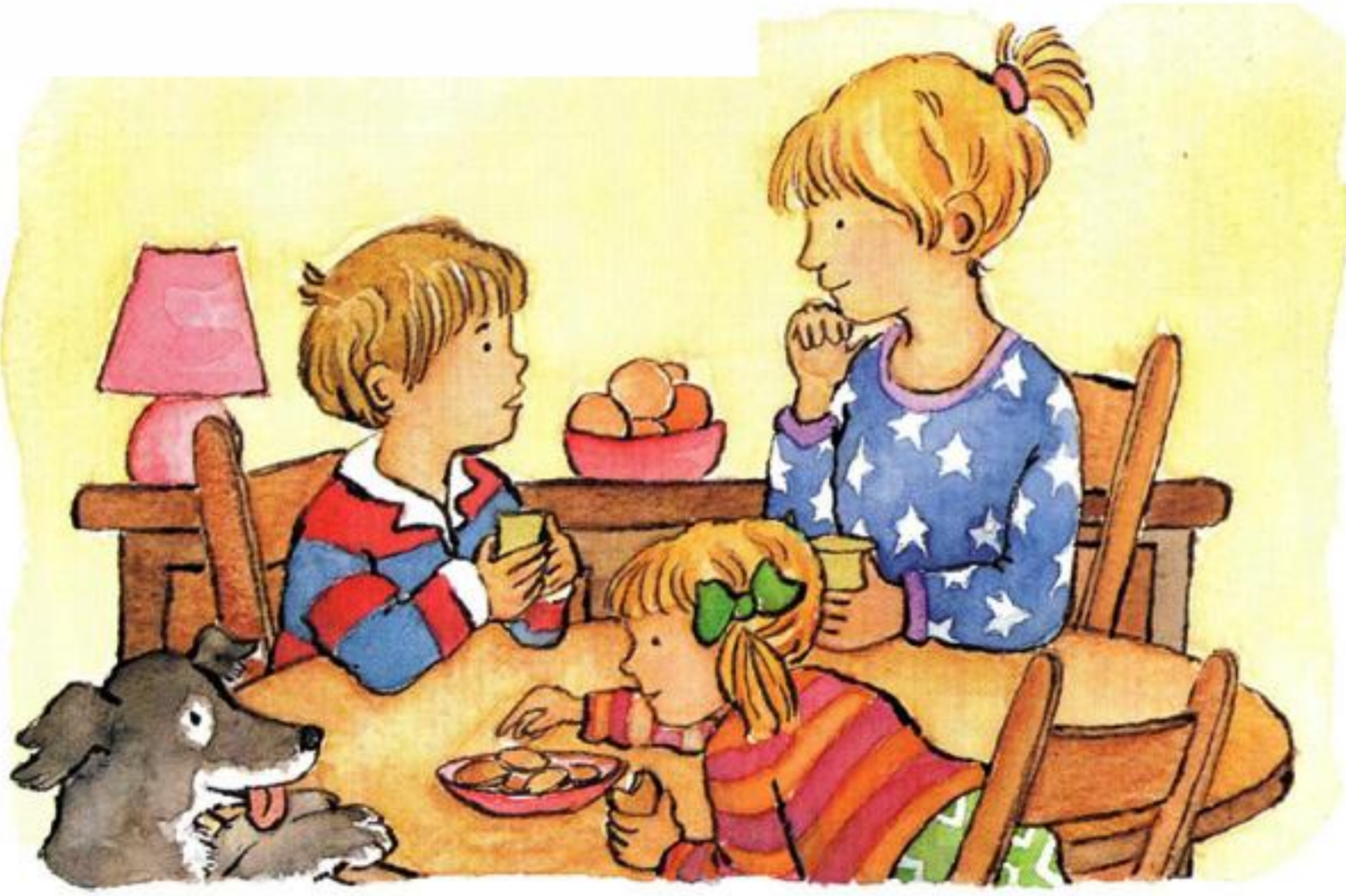

तुम क्या सोचते हो?

घर में मदद के लिए तुम क्या-क्या काम करते हो? माता-पिता वो क्या कर सकते हैं जिससे तुम कम अकेला महसूस करो?

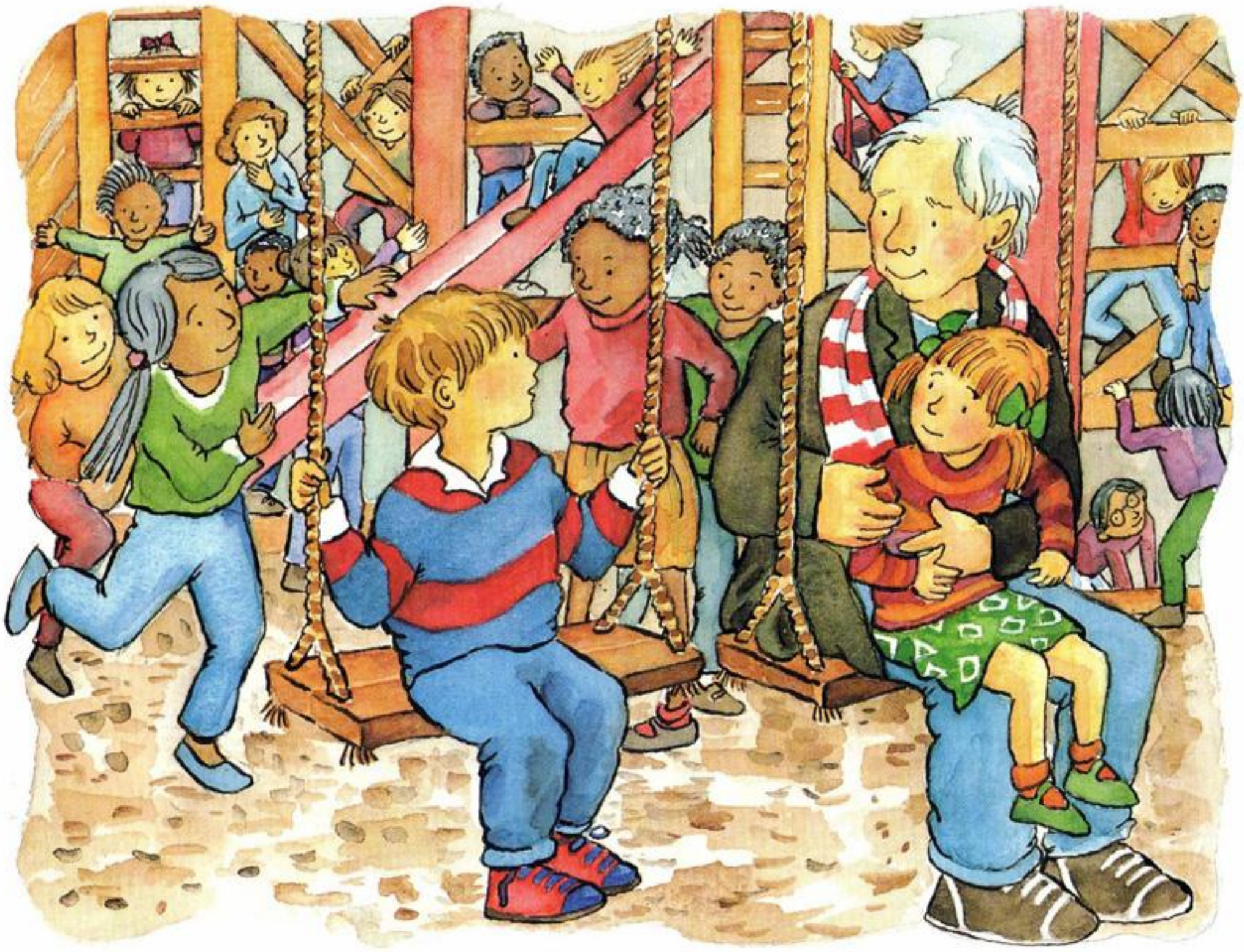

परिवार के अन्य सदस्यों और मित्रों के साथ समय बिताकर तुम्हें ज़रूर अच्छा लगेगा. कई बार माता-पिता की बजाए टीचर को अपनी समस्याएं बताना तुम्हारे लिए ज्यादा आसान होगा.

कभी तुम इतने ज्यादा गुस्से में और
दुखी होगे कि तुम्हारे लिए किसी से भी
बात करना मुश्किल होगा.

फिर भी तुम बात ज़रूर करना. नहीं तो नकारात्मक भावनाएं तुम्हारे अन्दर घुटती और पनपती रहेंगी - जैसे गुब्बारे में धीरे-धीरे हवा भरती रहती है. अंत में गुब्बारा भर कर फूट जाता है! अकेलेपन का कारण यह भी हो सकता है कि तुम्हारी भावनाओं को कोई नहीं समझे.

तुम इस बात से परेशान हो सकते हो कि अब तुम्हारा परिवार, तुम्हारे मित्र के परिवार जैसा, या फिर टेलीविज़न पर दिखने वाले परिवारों जैसा नहीं रहा.

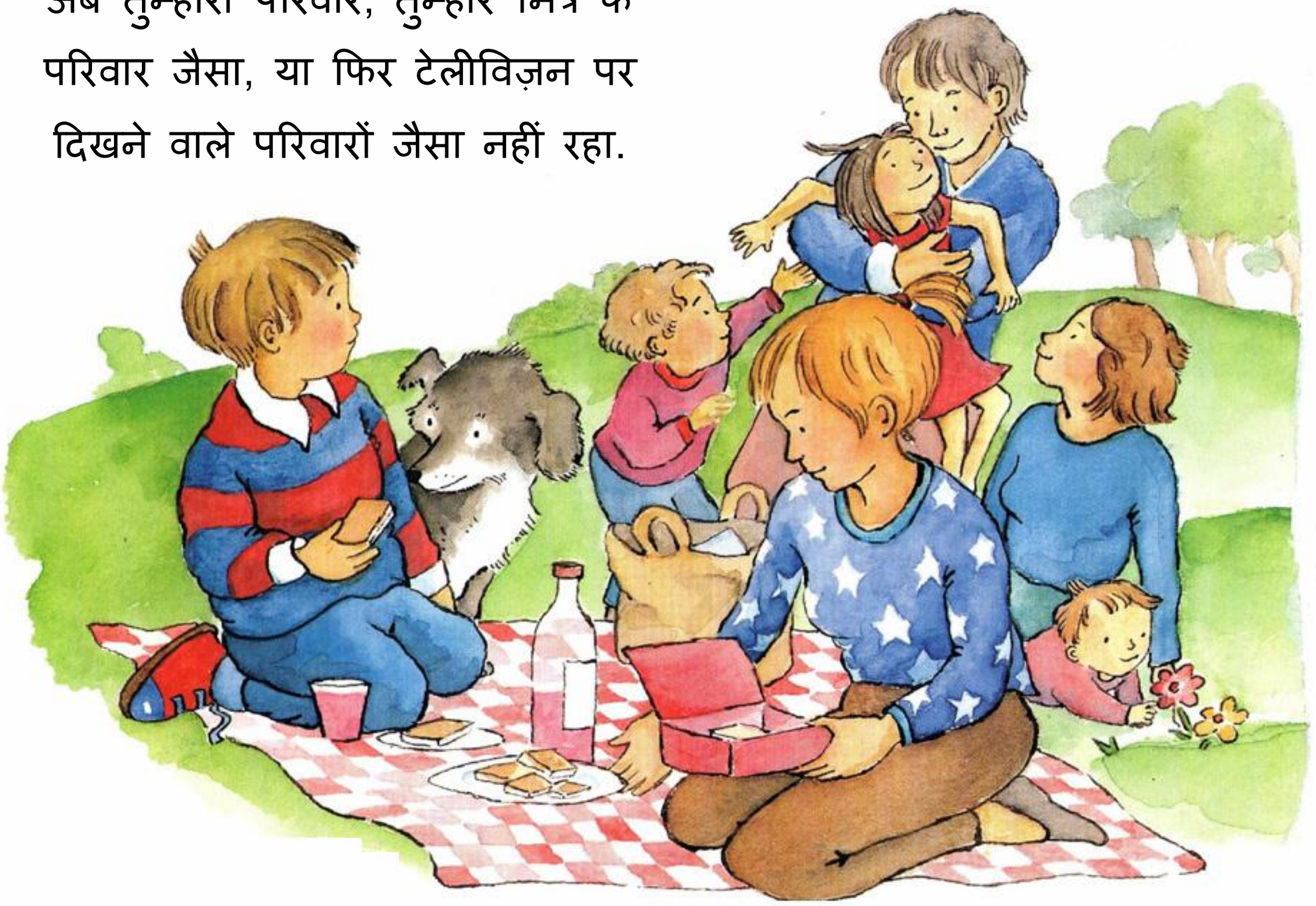

जैसे-जैसे तुम बड़े होगे तुम पाओगे कि लोगों के परिवार बहुत अलग-अलग तरह के होते हैं. तलाक के बाद तुम्हारे माता-पिता अलग-अलग भले ही रहें, फिर भी वे दोनों तुम्हारे परिवार के सदस्य होंगे.

शुरू में हो सकता है कि तुम्हें अपने माता-पिता में से किसी एक को चुनना पड़े. पर तुम लगातार दोनों से प्रेम कर सकते हो.

तुम क्या सोचते हो?

क्या तुम किसी अन्य बच्चे को जानते हो जिसके माता-पिता ने तलाक लिया हो? माता-पिता से तुम अपना प्रेम कैसे व्यक्त करोगे?

कभी-कभी तलाकशुदा माता-पिता एक-दूसरे के लिए बुरी बातें कहेंगे,
या फिर प्यार जीतने के लिए तुम्हारे लिए बहुत से उपहार खरीदेंगे.

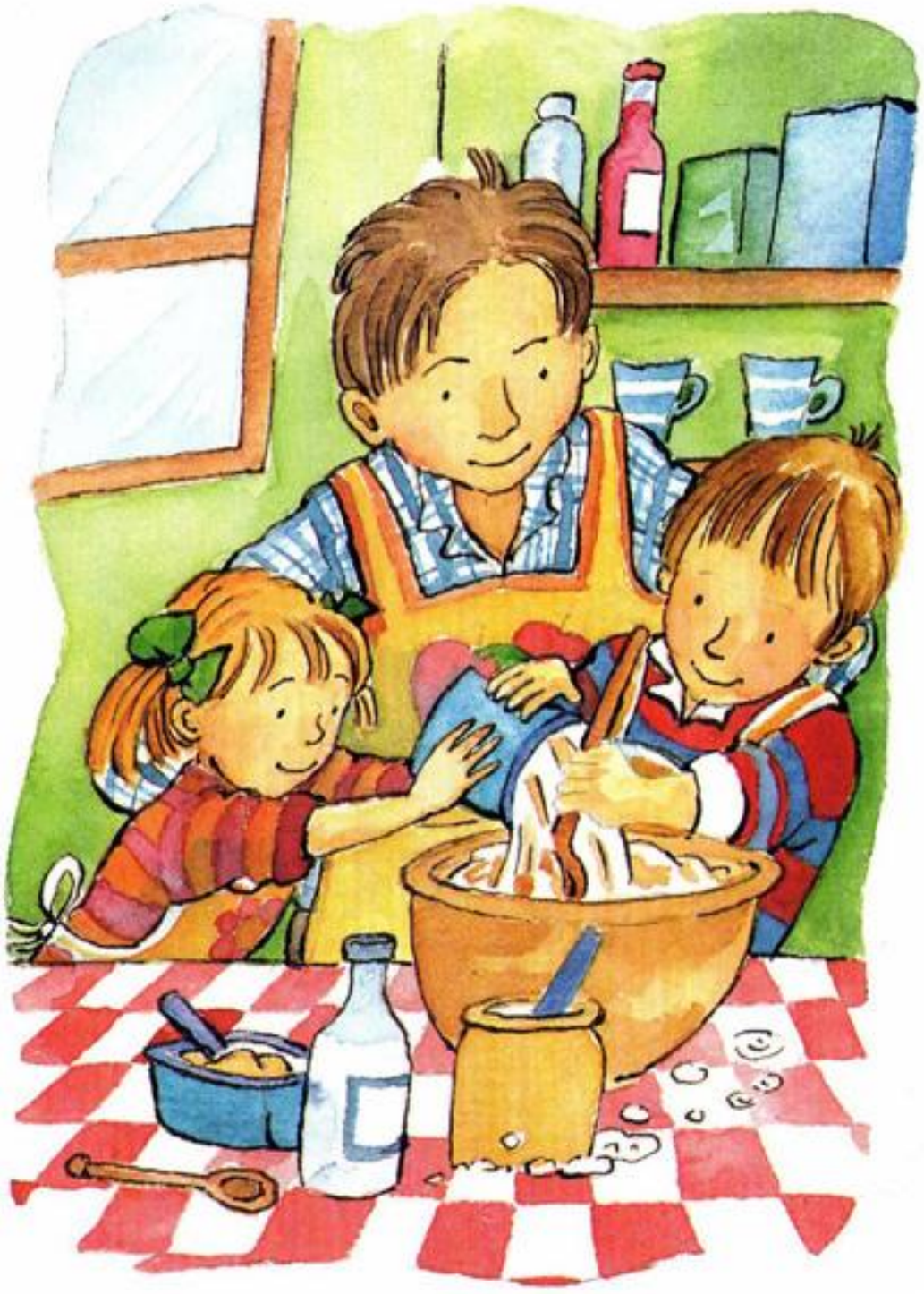

तुम उन्हें ऐसा करने से रोको. उन्हें याद दिलाओ कि
तुम्हारी सबसे बड़ी ख़ुशी उनके साथ रहने में है.

हो सकता है कभी अपनी परेशानी में तुम एक पालक को नकार दो. या तुम कुछ शैतानी इसलिए करो, क्योंकि तुम लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हो.

माता-पिता तुमसे यह करने को मना कर सकते हैं.

तलाक पूरे परिवार के लिए दर्दनाक होता है.
तलाक के बाद परिवार के हर सदस्य को कुछ
चीज़ें बिल्कुल अलग तरीके से करनी होती हैं.

शुरू में हरेक इंसान गलतियाँ करता है. गलतियाँ करना ठीक है,
पर हमें अपनी गलतियों से हमेशा सीखना चाहिए.

माता-पिता के तलाक के बाद बहुत सी चीज़ें बदलेंगी. पर एक चीज़ फिर भी नहीं बदलेगी – और वो होगा माता-पिता का तुम्हारे प्रति प्रेम.

इस पुस्तक का कैसे उपयोग करें?

तलाक की प्रक्रिया, और उसके बारे में पूरी चर्चा में बहुत समय लग सकता है. इस पुस्तक को आप बच्चे के साथ एक बार नहीं, कई बार पढ़ें. बच्चे के साथ पढ़ने से पहले आप पुस्तक को स्वयं पढ़ें और खुद उसके मुख्य बिन्दुओं से परिचित हों.

पुस्तक को पढ़ने के लिए दिशा-निर्देश:

आपको पुस्तक में जगह-जगह प्रश्न दिखाई देंगे. यह प्रश्न वो संकेत हैं जहाँ माता-पिता, टीचर्स और बच्चों को रुककर एक-दूसरे से बातचीत और चर्चा करनी चाहिए और एक-दूसरे से प्रश्न पूछने चाहिए. इन संकेतों का तभी इस्तेमाल करें जब आपको वो ठीक जंचें. अगर बच्चा उनका उत्तर न दे पाए तो जोर-ज़बरदस्ती न करें. कुछ समय बाद जब बच्चे की तैयारी हो तब आप दुबारा वो प्रश्न पूँछें.

जब बच्चा थोड़ा बड़ा होगा तब आपको उसके साथ ज्यादा समय मिलेगा. तब आप तलाक की जटिल समस्याओं और बारीकों के बारे में उससे विस्तार से चर्चा करें. शुरू में बच्चे को यह समझाना सबसे ज़रूरी होगा - तलाक क्या होता है और उससे बच्चे की ज़िन्दगी पर क्या असर पड़ेगा. बच्चे को अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और बदलते माहौल से निपटने में आप अपना पूरा सहयोग दें.

अगर आपका तलाक कुछ अति-आवश्यक कारणों से – जैसे बच्चे की पिटाई, या पति-पत्नी की आपस में मार-पिटाई के कारण हो तो ऐसा न समझें कि बच्चे की भावनाएं भी आप जैसी ही होंगी. बच्चे बहुत वफादार होते हैं और उन्हें दोनों पालकों की ज़रुरत महसूस होती है – चाहें उनमें से एक मारपीट या गाली-गलौज का दोषी भले ही क्यों न हो. इसलिए आप स्थिति का जायजा लेकर ही अपना अगला कदम उठाएं.

स्कूल में तलाक, एक निषेध विषय नहीं होना चाहिए. परिवार के टूटने पर शायद स्कूल ही एक ऐसी जगह होगी जहाँ बच्चा अकेलेपन का एहसास न करे. इस विचार के आधार पर स्कूल में एक उपयोगी प्रोजेक्ट रचा जा सकता है. प्रोजेक्ट में बच्चे अपने *परिवार की उत्पत्ति का पेड़* बना सकते हैं. उसमें वे चित्र, फोटो और शब्दों में अपनी भावनाएं लिखकर व्यक्त कर सकते हैं. इसमें विस्तृत परिवार और मृत लोगों की जानकारी भी दी जा सकती है.